



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान  
ICAR-Indian Institute of Soybean Research  
खंडवा रोड, इन्दौर 452001  
Khandwa Road, Indore-452001



फाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2023

दिनांक Date: 31.07.2023

YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IrkAuSyQ>

Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>

Twitter: @IisrIcar




Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers


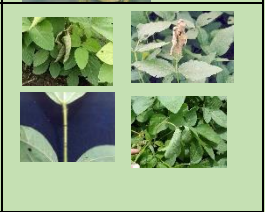


**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers**  
**(31 जुलाई-6 अगस्त 2023 / 31<sup>st</sup> July-6<sup>th</sup> August 2023)**

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में उन्ही कीट एवं रोगों का प्रकोप बना हुआ है जो पिछले सप्ताह देखे गए. अतः सोया कृषकों को सलाह है कि वे निम्न बिन्दुओं में दी गई जानकारी अनुसार लक्षणों को पहचान कर तुरंत कीट/रोग नियंत्रण के उपाय अपनाए. साथ ही यह सलाह भी है कि निम्नानुसार सुरक्षात्मक उपाय अपनाकर कीट/रोगों से होने वाले तुकसान से अपनी फसल को बचाए.

Soy Farmers are cautioned that the pest and diseases as reported in the last week's advisory are likely to cause infestation this week also in majority of the soybean growing areas. Therefore, it is suggested to adopt the corrective measures immediately after the symptoms are seen. Following preventive measures, helpful for minimizing the yield losses due to the expected infestation of these pest and diseases are also advised.



**अ. सुरक्षात्मक उपाय Precautionary Measures**






1	<p>तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु बाजार में उपलब्ध कीट-विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. इनके सेप्टा लगाने से पूर्व अपने हाथ स्वच्छ है यह सुनिश्चित करें. इसके साथ-साथ एन.पी.वी. (250 एल.ई) का छिड़काव भी किया जा सकता है.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone/light traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects. Clean your hands before the installation of the septa.</p>	
2	<p>जैविक सोयाबीन उत्पादन करने वाले कृषकों को सलाह है कि पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली ) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में ही रोकथाम हेतु <i>बेसिलस थुरिंग्जिएन्सिस</i> अथवा <i>ब्युवेरिया बेसिआना</i> या <i>नोमुरिया रिलेयी</i> ( 1.0ली/.हेक्टे) का छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar) especially in organic soybean production.</p>	
3	<p>कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा इल्लियों को खाने से होने वाले नियंत्रण को और सुविधाजनक बनाने हेतु सोयाबीन फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .</p> <p>Install "T shaped" Bird Perches at different locations facilitating the easy access to the predatory birds for feeding on leaf eating caterpillars.</p>	
4	<p>वायरस जनित पीला मोजेक/सोयाबीन मोजेक रोगों से सुरक्षा हेतु इन रोगों को फैलाने वाले रसचूसक कीट सफ़ेद मक्खी/जासिड के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly and/or Jassids, acting as carriers for transmission of these viral diseases.</p>	


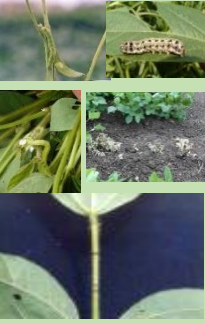
5	<p>अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि है, तो कीड़ों की अवस्था क्या है? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये.</p> <p>Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	
6	<p>सोयाबीन की फसल घनी होने पर चक्र भृंग का प्रकोप अधिक होने की सम्भावना होती है. इसके लिए प्रारंभिक अवस्था में ही (एक सप्ताह के अन्दर) दो रिंग दिखाई देने वाली ऐसी मुरझाई/लटकी हुई ग्रसित पत्तियों को तने से तोड़कर जला दे या खेत से बाहर करें.</p> <p>Densely populated soybean crop may leads to increased incidence of Girdle beetle. It is advised to pick/destroy the affected plant part (dried tripholiolate leaf having two rings on petiole) immediately after the symptoms are visible.</p>	
7	<p>कई क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा होने की सूचनाये प्राप्त हुई है, कृषकों को सलाह है कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें.</p> <p>Some of the soybean growing areas are reported to have continuous and heavy rains last week. Farmers are therefore advised to make necessary draining arrangements.</p>	
8.	<p>अपने खेतों में चूहों के नियंत्रण के उपाय अपनाए. इसके लिए अनुशंसित फ्लोकोउमाफेन 0.005% ब्लाक बेट (Strom) 15-20 बेट प्रति हेक्टेयर की दर से चूहों द्वारा बनाये गए छेदों के आसपास रखें.</p> <p>Take necessary steps for the prevention of rats in the field. Farmers may use recommended rodenticide Flocoumafen 0.005% Block Bait (Strom) @15-20 baits/ha for this.</p>	

## ब. कीट/रोग/खरपतवार नियंत्रण हेतु सलाह

### B. Advise for control of biotic and abiotic factors

1.	<p>कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फुल आने की अवस्था में हो.</p> <p>Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.</p>	
2.	<p>महाराष्ट्र के मराठवाडा क्षेत्र में विगत वर्षों से घोंघे (snails-slugs/गोगलगाय) द्वारा सोयाबीन की पत्तियों को खाने की समस्या बढ़ती जा रही है. कृषकों को सलाह है कि वे सतर्क रहे एवं अपने खेतों में सतत निगरानी करते रहे. इसके लिए गुड के साथ मेटालडिहाइड 2.5% सूखे पेलेट का द्रावन बनाकर जूट के बोरे को इस द्रावन में भिगोकर अपने खेत में रात को रखे एवं अगले दिन निरीक्षण करें. साथ ही सुरक्षात्मक रूप से अपने खेत के चारों ओर चुने की लकीर डालकर घोंघे को आने से रोके. समस्या अधिक होने पर सोयाबीन के लिए अनुशंसित कीटनाशक जैसे मेलथिऑन 50 ई.सी. (1500 मिली/हे) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 इ.सी. (333 मिली/हे) का फसल एवं जमीन पर छिड़काव करें.</p> <p>The leaf-eating damage caused by snails/slugs has been reported in the Marathwada region of Maharashtra for the last few years. Farmers are advised to monitor the crop on a regular basis and keep watch on the situation in their fields. They may keep the jute bag in the solution made of Metaldehyde 2.5% dry pellet and jaggery and place it in the field overnight. Similarly, farmers may put lime borders in their fields to prevent their entry. If the population is more, a spray of insecticide Malathion 50.00% EC (1500 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) targeting both crops as well as the ground surface.</p>	
3.	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज नामक फफूंदजनित रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु शीघ्रतिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) जैसे अनुशंसित फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Areas having continuous/incessant rains are likely to have an infestation of fungal diseases like anthracnose and/or Rhizoctonia Aerial Blight. Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>

4.	<p>इसी प्रकार कुछ क्षेत्रों में रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट नामक फफूंदजनित रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Areas having continuous/incessant rains are also likely to have an infestation of fungal disease Rhizoctonia Aerial Blight. Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	
5.	<p><b>पीला मोज़ेक/सोयाबीनमोजेक रोग</b> के नियंत्रण हेतु सलाह है कि तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खन/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). <b>This will also facilitate control of stem fly.</b> Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>	
6.	<p><b>चक्र भृंग</b> के नियंत्रण हेतु सलाह है कि प्रारंभिक अवस्था में ही आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./है) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली /है ) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p> <p>For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
7.	<p>बिहार हेयरी कैटरपिलर के नियंत्रण हेतु सलाह है कि प्रारंभिक अवस्था में ही झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियो को पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं फसल पर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 04.90 % CS (300 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) छिड़काव करें.</p> <p>For control of Bihar hairy caterpillar, farmers are advised to remove the affected plant and apply spray of Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha).</p>	
8.	<p>अगले एक माह तक पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु 15-20 दिन की फसल में या फूल आने से पूर्व तक की समयवधि में क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी.</p> <p>In order to have protection from defoliators for the next 30 days, farmers are advised to spray their soybean crop while at 15-20 days duration but before the flowering with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha.</p>	

9.	<p>तना मकखी के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि लक्षण दिखाई देने पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) का छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to control the stem fly using spray of Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC ( 333 ml/ha) immediately after the symptoms are noticed.</p>	
10.	<p>जहाँ पर एक साथ पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मकखी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मकखी/चक्र भृंग) प्रकोप हो, इनके नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली./हे.) या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In such areas where having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).</p>	
11.	<p>जहा पर तीनों प्रकार की पत्ती खाने वाली इल्लियाँ हो, इनके एक साथ नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : एसिटेमीप्रीड 25%+वायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी ( 150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे ), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, ( 150मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे), या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली./है) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For control of defoliators like Semilooper, tobacco caterpillar and heliothis, farmers are advised to spray any one of the following insecticides: Quinalphos 25EC (1 l/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Spinetoram 11.70 % SC (150 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	
12.	<p>वर्तमान में सोयाबीन फसल लगभग 30-45 दिनों की हो गई हैं. इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब खरपतवार नियंत्रण हेतु केवल हाथ से निर्दाई किये जाने की सलाह दी जाती हैं.</p> <p>The soybean crop in most of the area is of 30-45 days duration. Considering this, manual weeding method is only advised for the control of weed management.</p>	

## **ब. सामान्य सलाह / B.General advisory**

1	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पॉवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/tractor-drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).</p>
2	<p>कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फुल आने की अवस्था में हो. Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.</p>
3	<p>किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो . While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing the batch number and expiry date of the product(s).</p>
4	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>
5	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>

Please follow our social Media

